✺ 3 मई 2014 की मुरली से मुख्य पॉईन्टस् ✺

✺ ज्ञान-

1] संगम पर तुम बच्चों ने बाप द्वारा जीते जी मरना सीखा है। जो अभी जीते जी मरते हैं उनके दर पर कभी काल नहीं आ सकता है। तुम यहाँ आये हो मरना सीखने। सतयुग है अमरलोक, वहाँ काल किसी को खाता नहीं।

2] अभी ब्राह्मण हैं, फिर देवता बनते हैं। अगर अच्छी रीति पुरूषार्थ नहीं करेंगे तो क्षत्रिय कुल में चले जायेंगे। बैकुण्ठ देख भी नहीं सकेंगे। मुख्य तो है ही बैकुण्ठ। वन्डर ऑफ वर्ल्ड सतयुग को कहा जाता है, इसलिए पुरूषार्थ करना है।

3] बाप आकर जीते जी मरना सिखलाते हैं। बाप कहते हैं मैं कालों का काल हूँ, तुमको ऐसा मरना सिखलाता हूँ जो कभी तुम्हारे दर पर काल न आ सके। वहाँ तो रावण राज्य ही नहीं। सतयुग में कभी काल खाता नहीं, उनको अमरपुरी कहा जाता है। बाबा तुमका अमरपुरी का मालिक बनाते हैं। यह है मृत्युलोक। वह है अमरपुरी। यह है राजयोग।

✺ योग-

1] बाप को याद करना है। याद की यात्रा से ही पाप कटते हैं। आत्मा पवित्र हा जाती है तो फिर शरीर भी पवित्र मिलता है। जो शूद्र से ब्राह्मण बनते हैं वही फिर देवता बनते हैं।

2] बुद्धि में सारा ज्ञान रहेगा तो बापा की याद भी रहेगी। उन्नति को पाते रहेंगे। अगर सतोप्रधान नहीं बनेंगे तो फिर सतयुग में नहीं जायेंगे इसलिए अपने को याद की यात्रा में पक्का रखना है।

✺ धारणा-

1] याद में रहकर भोजन बनाओ तो खाने वाले का हृदय शुद्ध हो जायेगा, तुम ब्राह्मणों का भोजन बहुत ही शुद्ध होना चाहिए।

2] बच्चों को कितना युक्ति से समझाया जाता है। बोलो, भगवानुवाच है ना– काम महाशत्रु है। अभी तो यह कलियुगी दुनिया विनाश होनी है। देवता धर्म स्थापन हो रहा है इसलिए बाप कहते हैं– **बच्चे तुम पवित्र बनो। काम को जीतो।** इस पर ही झगड़ा होता है। तुम बड़ो-बड़ो को समझाते हो।

✺ सेवा-

1] यह भी दिखाओ नम्बरवार कैसे-कैसे बनते हैं। प्रजा भी दिखाओ, तो साहूकार प्रजा, सेकण्ड ग्रेड, थर्ड ग्रेड प्रजा भी दिखाओ। ऐसा एक्यूरेट बनाओ जो अच्छी रीति समझा सको। मेहनत तो करनी ही है। समय बाकी थोड़ा है। ज्ञान है ही तुम्हारे लिए। तुम प्रदर्शनी में ऐसा समझाओ जो मनुष्य समझें हमको एक बाप को ही याद करना है तब ही हम यह बन सकेंगे। नहीं तो फिर भक्ति मार्ग में आ जायेंगे।

2] जिससे उद्घाटन कराओ उनको पहले समझाओ जरूर कि ऐसे मनुष्य से देवता बन सकते हो। विश्व में शान्ति हो सकती है। स्वर्ग में विश्व में शान्ति और सुख था। ऐसे-ऐसे भाषण करो और अखबार में पड़े तो फिर तुम्हारे पास इतने ढेर आने लग जायेंगे जो तुमको नींद भी करने नहीं देंगे।